ont>

Title: Need to develop Balirajganj in district Madhubani, Bihar as a tourist resort - Laid.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर): अध्यक्ष महोदय, पुराणों में वर्णित प्रहलाद के पौत्र एवं विरोचन के पुत्र महादानी राजा बलि के बढ़ की खोज 1884 में प्रख्यात अंग्रेज शिक्षाविद जार्ज ग्रियर्सन ने की, जो बिहार के मधुबनी जिलान्तर्गत बाबूबरही प्रखंड में स्थित है। बलिराजगढ़ का अधिग्रहण भारत सरकार ने 1905 ई0 में किया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा 1962-63 में तथा पुरातत्व और संग्रहालय निदेशालय बिहार सरकार द्वारा 1972-73 तथा 1974-75 में इस स्थल का उत्खनन कराया गया। उत्खनन में उत्तरी कृण-मार्जित मृणपात्रकाल (200 ई0 पू0) से लेकर 10वीं-11वीं शताब्दी **(पाल काल)** के अनुक्रमों की प्राप्ति हुयी। उत्खनन में दूसरी शताब्दी ई0पू0 में शुंग काल के दौरान निर्मित रक्षात्मक दीवार के अलावे प्राचीन मंदिर के अवशेा, मानव तथा पशु टेराकोटा आकृतियां, तांबे के सिक्के, साधारण मृदभाण्ड एवं अन्य वस्तुएं प्राप्त हुयीं। बिहार का यह सबसे बड़ा ऐतिहासिक स्थल है। इससे छोटे ऐतिहासिक स्थल वैशाली और विक्रमशिला को भारत सरकार ने पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया, लेकिन बलिराजगढ़ का अभी तक समुचित विकास नहीं हुआ।

मैं चाहूंगा कि दुर्लभ धरोहर बलिराजगढ़ को भारत सरकार वर्ा 2003-2004 में पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की ठोस योजना बनाए।